विपनेट क्षेत्रीय कार्यशाला रिपोर्ट -2012 देहरादून : 29 नवम्बर से 1 दिसम्बर 2012, हरियाणा राज्य

प्रतिभागी राज्य : उत्तर प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, जम्मू कशमीर, पंजाब, चंडीगढ़, देहली, हिमाचल प्रदेश

प्रस्तुति : दर्शन लाल

दून विश्वविद्यालय में विपनेट क्लब की तीन दीवसीय कार्यशाला में उद्घाटन सत्र वि.वि.के कुलपति के करकमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। उन्होंने विज्ञान संचार में विपनेट क्लबों के कार्यों की सराहना की।

उद्घाटन सत्र के बाद तकनीकी सत्र आरम्भ हुआ जिसमें विज्ञान प्रसार के साइंटिस्ट आर.के. उपाध्याय ने विपनेट क्लबों के गत् वर्षों का लेखाजोखा वर्णित किया। उन्होंने पावर पाइंट प्रस्तुतीकरण से भारत में चल रहे विज्ञान क्लबों के आंकड़े प्रस्तुत किये जिससे सभी प्रतिभागियों को पूरे देश में क्लबों की संख्या, क्रियाशीलता और उनकी गतिविधियों का ब्यारो मिला।

अगले सत्र में एल.ई.डी. लाईट और उससे ऊर्जा संरक्षण से सम्बंधित सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक ज्ञान दिया। इस अवसरा पर डॉ. पुंडीर ने अपने वक्तव्य में संचार और संचार के तरीकों के बारे में विस्तार से बताया।

कार्यशाला के दूसरे दिन विज्ञान प्रसार के वैज्ञानिक श्री बी.के. त्यागी जी ने पावर पाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विज्ञान क्लबों की विज्ञान संचार में भूमिका और भविष्य की सम्भावनाओं पर प्रकाश डाला। श्री त्यागी ने राज्यवार क्लब, प्रतिभागियों के समूह बनवाकर वर्षभर क्लबों द्वारा की जाने वाली गतिविधियों पर चर्चा करवायी इस चर्चा परिचर्चा में अनेक गतिविधियां निकल कर आयी जो कि समाज में वैज्ञानिक जागरुकता में सहायक हो सकती हैं।

तत्पश्चात् स्थानीय 'फोरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट' (एफ.आर.आई.) का भ्रमण करवाया गया जहां क्लब प्रतिनिधियों ने ज्ञानार्जन किया। सभी क्लब प्रतिभागियों को विज्ञान प्रसार के प्रकाशन ब्रोशर व कलैण्डर वितरीत किये गये। क्लब पोस्टर प्रदर्शनी लगायी गयी। यमुनानगर हरियाणा से आये सी.वी. रमन साइंस क्लब के सचिव दर्शनलाल बवेजा ने क्लब की रिपोर्ट्स और गतिविधियों की डाक्यूमेंटशन लिखित व डिजिटल तरीकों से कैसे की जाये, के बारे में बताया और अपने क्लब की वैबसाइट www.sciencedarshan.in पर क्लब रिपोर्ट्स के संग्रह को दिखाया।

श्री बी.के. त्यागी जी ने इंटरनेट पर विज्ञान प्रसार के साइंस पोर्टल का विस्तार से वर्णन किया और पोर्टल पर रिपोर्ट सबमिट करने का तरीका भी बताया। साथ ही सभी प्रतिभागियों से फीडबैक फार्म भरवाये गये और आभाशी डाक टिकट संग्रह के बारे में विस्तार से बताया गया। क्लब सदस्यों को जैव विविधता रजिस्टर बनाने व उसमें स्थानीय जैव विविधता संग्रह के बारे में सिखाया गया। इस तीन दिवसीय कार्यशाला में प्रशिक्षण प्राप्त करके प्रतिभागियों में नयी ऊर्जा का संचार हुआ और वे पूरे जोश से क्लब गतिविधियों द्वारा विज्ञान संचार के लिए प्रतिबद्ध हुए।